Rs. 50/-

पोल्ट्री मंच

25 त्यागराज नगर मार्केट, नई दिल्ली–110003, भारत दूरभाषः +91-7838602297
E-mail: poultrymanch@gmail.com website: www.poultrymanch.com

नवंबर 2022 | वर्ष 8 | अंक 11 | 52 पेज कवर सहित

VENTRI BIOLOGICALS
(Vaccine Division of VHPL)
'Venkateshwara House', S. No. 114/A/2, Pune Sinhagad Road, Pune 411030. **Tel.:** +91 (020) 24251803, **Fax:** +91-20-24251060 / 24251077.
Email: ventri.biologicals@venkys.com **www.venkys.com**

55वीं एजीएम और 63वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी 2022
"भारत में पशुधन कृषि की बदलती गतिशीलता"

दिनांक: 30 सितंबर–01 अक्टूबर, 2022 स्थानरू होटल द लीला मुंबई, अंधेरी – कुर्ला रोड, मुंबई अंतरराष्ट्रीय विमानतल के पास, अंधेरी पूर्व, मुंबई

कंपाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CLFMA) ने 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को होटल लीला, मुंबई में अपनी 55वीं वार्षिक आम बैठक और 63वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। आयोजन का विषय था श्भारत में पशुधन कृषि की बदलती गतिशीलताश, जिसका उद्देश्य उद्योग के रुझानों को पहचान कर उनका आकलन करना, मुख्य चुनौतियों का पता लगाना और पशुधन कृषि क्षेत्र के लिए भविष्य की योजना बनाना था।

पशु मूल्य श्रृंखला के सभी हितधारकों का प्रतिनिधित्व करने वाले 450 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया जिसमे शामिल थे – शिक्षाविद, पशु आहार निर्माता, एक्वा फार्मर्स, पशु स्वास्थ्य तथा पोषण विशेषज्ञ।

गणमान्य अतिथियों,वक्ताओं और सदस्यों का स्वागत करते हुए सीएलएफएमए के संयोजक और सचिव श्री सुरेश देवड़ा ने कहा, "63वें संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर मैं ,हमारे मुख्य अतिथि श्री पुरुषोत्तम रूपाला का हार्दिक स्वागत करता हूं। वह पूरे भारत में किसानों की भलाई के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाने में एक मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं। मैं श्री जतिंद्र नाथ स्वैन, जो देश में एक्वा किसानों की मदद करने के लिए बनाई गई केंद्र सरकार की योजना, नील क्रांति परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं काय और उद्योग के एक दिग्गज, गोदरेज एग्रोवेट के श्री बलराम सिंह यादव का स्वागत करता हूं। मैं श्री तरुण श्रीधर, पूर्व सचिव एएचडी, पशुधन उद्योग के एक प्रमुख समर्थक हैं, उनका भी स्वागत करता हूं।"

सत्र का परिचय देते हुए सीएलएफएमए के अध्यक्ष श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव ने कहा, "परिवर्तन ही एकमात्र शाश्वत वस्तु है। सकारात्मक व्यापक आर्थिक और जनसांख्यिकीय रूझानों के साथ भारत का पशुधन उद्योग आज एक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। हमारा वर्तमान फोकस मौजूदा और आगामी चुनौतियों से पार पाने के लिए आधुनिक समाधानों को अपनाने पर है। हम सरकार की पहुँच की सराहना करते हैं, जो उद्योग के तेजी से विकास के लिए अनुमति दे रही है।"

"भारत सफलता की नई राह पर आगे बढ़ रहा है और हमें इस उद्योग के साथ घनिष्ठ रूप से सहभागिता करने में बेहद खुशी हो रही है। सरकार तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा हाइलाइट किए गए सभी नवाचारों का संज्ञान लेगी। इस उद्योग की उपलब्धियां राष्ट्र का निर्माण कर रही हैं," भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी (एएचडी) विभाग के मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला ने संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कहा।

उन्होंने मृत पशुओं के निपटान के लिए वेस्ट–टू –वेल्थ रणनीति को लागू करने की सिफारिश की। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के वन हेल्थ विजन के अनुरूप सरकार

पशु स्वास्थ्य के लिए पीपीपी (पब्लिक–प्राइवेट–पार्टनरशिप) मॉडल पर विचार कर रही है।

इसके बाद सीएलएफएमए अवॉर्ड सेरेमनी हुई। सुप्रसिद्ध सीएलएफएमए पुरस्कार दो अग्रणियों को दिए गए, जिन्होंने पूरी निष्ठा से काम किया और पशुधन क्षेत्र के विकास में योगदान दिया है।लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार इंजी. आनंद मेनन, एफआईई को प्रदान किए गए , उन्होंने सीजीएम, केएसईएल, केरल के रूप में अपनी शानदार सेवा के चालीस वर्षों के दौरान पशुधन क्षेत्र में बहुत योगदान दिया है और सीएलएफएमए पुरस्कार डॉ रुद्र नाथ चटर्जी, निदेशक आईसीएआर – पोल्ट्री अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद को भारतीय पशुधन क्षेत्र में उनके अद्भुत योगदान के लिए प्रदान किया गया। सीएलएफएमए अध्यक्ष ने सभी सीएलएफएमए पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी।

गोदरेज एग्रोवेट के प्रबंध निदेशक श्री बलराम सिंह यादव ने पिछले दो दशकों में उत्पादन और दक्षता में वृद्धि के आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए उद्योग की यात्रा को प्रस्तुत किया। उन्होंने उद्योग की आशावादी प्रवृत्ति को अधोरेखित किया, जो इस वर्ष 7.5: के सीएजीआर में दृष्टिगोचर हो रही है । "अगला दशक विस्फोटक परिवर्तन वाला है। पशुपालन में निवेश किसी भी अन्य उद्योग को पीछे छोड़ देगा। अगले 5–6 वर्षों में कृषि जीडीपी में हमारा योगदान 37 फीसदी से बढ़कर 50 फीसदी हो जाएगा।" उन्होंने कहा ।

श्री जतिंद्र नाथ स्वैन (वित्त सचिव) ने कहा कि उपभोक्ता मांग सन् 2047 तक खपत में 4 गुना वृद्धि के साथ पशु प्रोटीन की ओर स्थानांतरित हो रही है । उन्होंने प्रतिभागियों से पानी और बिजली की खपत के लिए स्थायी समाधान अपनाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर एक उद्योग सर्वेक्षण रिपोर्ट भी जारी की गई, जिसके पश्चात श्री दिव्य कुमार गुलाटी, डिप्टी चेयरमैन, सीएलएफएमए ऑफ इंडिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सभी प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और नेटवर्किंग डिनर का आनंद लिया।

संगोष्ठी के दूसरे दिन की शुरुआत सीएलएफएमए ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव के स्वागत भाषण से हुई। पहले सत्र में डेटा और एनालिटिक्स पर फोकस के साथ टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्रस्तुत किए गए। ष्फीड सामग्री की कीमतों में वृद्धि की चुनौतियों से निबटनाष नामक सेशन सरावगी एग्रोवेट के प्रबंध निदेशक श्री अमित सरावगी द्वारा संचालित किया गया । "हमारे उद्योग ने सोयाबीन और मक्का जैसी फसलों में अभूतपूर्व मूल्य वृद्धि को देखा है। प्रतिकूल परिस्थितियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए निष्पक्ष तथा मजबूत डेटा की सख्त जरूरत है।ष

आरएमएसआई क्रॉपलिटिक्स के श्री कुमारजीत मजूमदार ने उनके डिजिटल क्रॉप मैप टूल की कार्यप्रणाली की एक झलक साझा की। यह खड़ी फसलों के भूखंडों का पता लगाने के लिए उपग्रह छायाचित्रों का उपयोग करता है। श्रीमती प्रेरणा देसाई, शोध प्रमुख,समुन्नति एग्री, ने सोयामील, सरसों की खली, बिनौला तेल खली, बाजरा और मक्का जैसी वस्तुओं पर मूल्य दृष्टिकोण का खुलासा किया। उन्होंने

फीड प्रतिस्थापन, मार्जिन दबाव और वैश्विक मैक्रोइकॉनॉमिक रुझानों के प्रभाव सम्बंधित अवलोकनों को साझा किया। यूएसएसईसी के श्री केविन एम रोपके ने श्चिकनोमिक्सश के बारे में भारत और श्रीलंका की तुलना की । उन्होंने ऊर्जा के नवीनीकरण की नीतियों को अपनाने के कारण होने वाली यूएसए क्रश क्षमता में वृद्धि को इंगित किया । इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व करते हुए पतंजलि फूड्स के श्री हेमंत बंसल ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता की गारंटी के लिए फसल फीड की कीमतें उचित में होनी चाहिए।

पशुधन उद्योग के लिए गो–टू–मार्केट रणनीतियों पर एक पैनल चर्चा में भाग लेने वाले उद्योग जगत के अग्रणियों के द्वारा सहभागित पैनल डिस्कशन के प्रमुख निष्कर्ष थे–कस्टमर एक्सपीरियंस का निर्माण, ब्रांडिंग में नवाचार को अपनाना और घरेलू बाजार के लिए हाइपर–लोकलाइजिंग। इस सत्र का संचालन गोदरेज एग्रोवेट के प्रबंध निदेशक श्री बलराम सिंह यादव ने किया।

नोवस इंटरनेशनल के अध्यक्ष और सीईओ श्री डैन मेघेर ने कहा, ष्ब्रांडिंग की शक्ति बहुत महत्वपूर्ण है। पशु उत्पादों का प्रसंस्करण एक नया कस्टमर एक्सपीरियंस पैदा करने वाला है। ब्रांड की पहचान अब ग्राहक के स्तर पर होने वाली है।" सुगुना समूह के श्री सुंदरराजन और मयंक एक्वाकल्चर के उद्यमी डॉ. मनोज शर्मा ने मंच के प्रतिभागियों के फायदे के लिए पोल्ट्री और झींगा क्षेत्रों से प्राप्त अपने–अपने ज्ञान

को साझा किया । क्रीमलाइन डेयरी के श्री भूपेंद्र सूरी ने कहा, ष्घी, पनीर और दही जैसी मूल्य वर्धित श्रेणियों में निजी प्रतिभागियों का आइडिया बहुत तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें व्हे ड्रिंक जैसी नई श्रेणियों में बहुत अवसर हैं।ष

अंतिम सत्र में गुरु अंगद देव वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी में पशु पोषण के प्रोफेसर डॉ. परमिंदर सिंह ने व्यवस्था की खामियों को सामने रखा. उन्होंने मानकों को लागू करने में पशुधन प्रजनकों के सामने आने वाली तकनीकी चुनौतियों के बारे में बताया। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के प्रतिनिधि डॉ. अमित शर्मा और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के श्री अमित चौधरी ने प्रतिभागियों को मानकों के विकास और संशोध ान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। दुग्ध संदूषण की रिपोर्टों के सत्यापन से सम्बंधित चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए, राष्ट्रीय पशु पोषण और शरीर विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. राघवेंद्र भट्ट ने कहा, "नॉन–कंप्लायंस को रोकने के लिए वैज्ञानिक तरीके से नमूनों का संकलन और अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना करने की आवश्यकता है।"

सत्र का संचालन केंद्रीय कुक्कुट विकास संगठन एवं प्रशिक्षण संस्थान, भारत सरकार के संयुक्त आयुक्त एवं निदेशक डॉ. पी. एस. महेश ने किया। उन्होंने सदस्यों को बेहतर भविष्य के लिए सरकार के प्रतिनिधियों से संपर्क करने और जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

संगोष्ठी का समापन करते हुए श्री. तरुण श्रीधर, पूर्व सचिव, एएचडी ने सलाह दी, "सब्सिडी की पेशकश करने के बजाय, एक सक्षम नीतिगत वातावरण और बुनियादी ढाँचे का निर्माण उद्यमियों का पोषण करेगा और विकास को बढ़ावा देगा। हमें अपने विशाल भूमि संसाधनों को भुनाने, अपनी उत्पादकता की समस्याओं को सुलझाने और उपभोक्ता की मांगों को बदलने की योजना बनाने की आवश्यकता है। हमें भ्रामक विज्ञापनों से भी सावधान रहना चाहिए। डिजिटलीकरण, और उद्योग के लिए एक समेकित आवाज उठाना भविष्य में महत्वपूर्ण होगा।ष

सीएलएफएमए ने प्रायोजकों, सरकारी अधिकारियों, विशेष आमंत्रितों, मध्यस्थों, वक्ताओं, संघों, प्रेस, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी आदि को उनके निरंतर समर्थन के लिए प्रशंसा के प्रतीक के रूप में स्मृति चिन्ह प्रदान किये ।

श्री सुरेश देवड़ा ने सरकार के प्रतिनिधियों, वक्ताओं, प्रायोजकों, उद्योग हितधारकों, विशेष आमंत्रितों और उपस्थित लोगों की सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

सभी प्रतिभागियों ने नेटवर्किंग डिनर का आनंद लिया।

कुल मिलाकर, सीएलएफएमए ने भारत में पशु कृषि की बदलती गतिशीलता विषय पर उद्योग और सरकार के विभिन्न हितधारकों के साथ विचार–विमर्श किया। पशु प्रोटीन मूल्य श्रृंखला से एसोसिएशन की विविधतापूर्ण सदस्यता हैय पशु आहार निर्माण, पोल्ट्री, डेयरी और एक्वा कृषि व्यवसायय पशु पोषण और स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा सेवाएं, मशीनरी और उपकरणय मांस का प्रसंस्करण, वितरण और खुदरा बिक्री। कार्यक्रम की सभी प्रतिभागियों के द्वारा बहुत सराहना की गई ।